DATE / /
PAGE NO.

Class-5th. Hindi - 1st - Lesson-12

(घ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए:-

प्रश्न-1 चक्रव्यूह रचने की घोषणा से पांडव क्यों चिंतित थे?

उत्तर-1 चक्रव्यूह तोड़ना अर्जुन के अतिरिक्त पांचो पांडवों में कोई नहीं जानता था और इस समय अर्जुन यहाँ नहीं थे। इस कारण पांडव चिंतित थे।

प्रश्न-2 जब चक्रव्यूह रचने की घोषणा हुई, उस समय अर्जुन कहाँ युद्ध कर रहे थे?

उत्तर.2 जब चक्रव्यूह रचने की घोषणा हुई उस समय अर्जुन अपने रथ पर बैठकर युद्धभूमि के अंतिम छोर पर दूर रहे युद्ध का नेतृत्व कर रहे थे।

प्रश्न3 अभिमन्यु ने क्यों कहा - "आज मै युद्ध करने जाऊँगा?

उत्तर3 अभिमन्यु ने कहा - मुझे चक्रव्यूह भेदना

आता है। महाराज! आप मुझे आज्ञा दीजिए। पिताजी एक बार माँ को चक्रव्यूह भेदने की विधि सुना रहे थे। मैंने उसे सुन लिया था। हाँ, चक्रव्यूह से निकलने की विधि मैं नहीं सुन सका था। किंतु मैं उसमें घुस जाऊँगा और उसे भेद भी दूँगा। तो फिर निकलना कौन-सी कठिन बात होगी।

प्रश्न4 अभिमन्यु चक्रव्यूह के छठे द्वार तक कैसे पहुँचा?

उत्तर4 अभिमन्यु के शत्रुओं का उत्साह एक दम मंद पड़ गया था, उस वीर बालक का सामना करने में कर्ण और दुर्योधन जैसे वीर भी असमर्थ रहे। अब वह छठा द्वार भी पार कर गया।

प्रश्न5 अभिमन्यु वीरगति को कैसे प्राप्त हुआ?

उत्तर5 अभिमन्यु के छठे द्वार को पार करते ही विपक्ष को चिंता हुई कहीं सोलह वर्ष के बालक से उन्हें मुँह

की न खानी पड़े। तब दुर्योधन की सलाह से सातों द्वारों के योद्धा मिलकर अभिमन्यु पर टूट पड़े। कहाँ सात-सात वीर कहाँ सोलह वर्ष का अभिमन्यु। परंतु उसके साहस और शौर्य का कोई मुकाबला न था। अभिमन्यु वीरगति को अवश्य प्राप्त हुआ, परंतु विपक्षियों के मन को जीतकर।